फर्द अहकाम

न्यायालय ____________________

मंगला बनाम [illegible]

मुकदमा संख्या / वर्ष (टी.ए. 112 / 20 24)

क्र.स0	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	24/01/24	स्पष्ट हुआ है कि वादग्रस्त भूमि के संबंध में पेश शुदा हाल जमाबंदी (दिनांक 02-01-24) के अनुसार वाद अधीन भूमि ख.नं. 84 आवासीय प्रयोजनार्थ किस्म एवं जयपुर विकास प्राधिकरण के नाम दर्ज रिकार्ड है, साथ ही भूमि ख.नं. 85/446 मी. गै.मु. आबादी किस्म दर्ज है। प्रार्थी की ओर से बिना तनका वाद प्रस्तुत किया गया है। जिसके वर्तमान रिकॉर्ड में किस्म कृषि भूमि होने से प्रथम दृष्टया प्रकरण (मामला) प्रार्थी के पक्ष में साबित नहीं होता है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र धा. 88 खारिज किया जाता है। निर्णय सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर)	

Signature Not Verified
Digitally signed by Mahipal Singh
Date: 2024.02.07 15:55:38 IST
Reason: SelfAttested

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से मंगला बनाम भागीरथ	विशे[illegible]
	5/1/24	पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उप०। पत्रावली पर बहस T.I हो चुकी है पत्रावली T.I आदेश मे है प्रतिवादी वकील ने दस्तावेजात पेश किये। शा. मि. हो। दस्तावेजात का वकील वादी को अवगत कराया वादी वकील ने दस्तावेज का अवलोकन किया। वास्ते बहस T.I हेतु पत्रावली दि० 10/1/24 को पेश हो।	
	10/1/24	पत्रावली [illegible] द्वारा [illegible] जा[illegible] [illegible] साहब [illegible] पत्रावली [illegible] 12/1/24 को पेश हो।	
	12/1/24	पत्रावली पेश हुई। अभि[illegible] द्वारा [illegible] कन्डोलेंस किये [illegible] कार्यवाही नहीं की जा [illegible] सब [illegible] कार्य मे [illegible] नी [illegible] दिनांक 18/1/24 [illegible]	
	18/01/24	पत्रावली पेश हुई। उभयपक्ष उपस्थित। बहस प्रार्थनापत्र टी.आई. पर सुनी गई। पत्रावली वास्ते निर्णय दिनांक 24/01/24 को पेश हो	
	24/01/24	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता[illegible] उभयपक्ष उपस्थित [illegible] टी.आई. के [illegible] सुना [illegible] व पत्रावली का गौरपूर्वक अवलोकन किया। पत्रावली के अवलोकन से यह	

Signature Not Verified
Digitally signed by Mahipal
Date: 2024.02.07 15:55:38
Reason: SelfAttested